

**Christ Is Our Public Profession**

Christ Is - (# 6)

June 27, 2021

**TEXT:** Matthew 5:1-16

**KEY VERSE:** Romans 12:14

[Romans 12:14](#) Bless them which persecute you: bless, and curse not.

Spoken words are powerful,  
speak your words wisely.

1) Impart Words \_\_\_\_\_.

2) Impart Words \_\_\_\_\_.

3) Impart Words \_\_\_\_\_.

4) Impart Words \_\_\_\_\_.

5) Impart Words \_\_\_\_\_.

**Text:**

**Matthew 5:1-16**

**Key Verse:**

**Romans 12:14**

1

1

---

---

---

---

---

---

---

---

***Key Verse:***

**Bless them  
which persecute you:  
bless, and curse not.  
(Romans 12:14)**

2

2

---

---

---

---

---

---

---

---

**Our words shape our destiny  
and impact the lives  
of those around us.**

3

3

---

---

---

---

---

---

---

---

***Christ Is Our Public Profession***  
***Christ Is - # 6***

4

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jesus spoke in such a way  
that His Words always  
directed people to God.**

5

---

---

---

---

---

---

---

---

**Spoken words are powerful,  
speak your words wisely.**

6

---

---

---

---

---

---

---

---

1) Impart Words Worth Hearing.

7

7

---

---

---

---

---

---

---

---

**And he opened his mouth,  
and taught them, saying,  
(Matthew 5:2)**

8

8

---

---

---

---

---

---

---

---

**Not only should we speak,  
but we should share  
something worth speaking.**

9

9

---

---

---

---

---

---

---

---

**The Spirit of the Lord is upon me,  
because he hath anointed me  
to preach the gospel to the poor;  
he hath sent me to heal  
the brokenhearted, to preach  
deliverance to the captives,  
and recovering of sight to the blind,  
to set at liberty them that are bruised,  
(Luke 4:18)**

10

10

---

---

---

---

---

---

---

---

**I exhort therefore, that, first of all,  
supplications, prayers, intercessions,  
*and* giving of thanks,  
be made for all men;  
(1 Timothy 2:1)**

11

11

---

---

---

---

---

---

---

---

**If we are going to  
have a positive impact,  
we must begin with prayer.**

**Especially  
praying for others.**

12

12

---

---

---

---

---

---

---

---

1) Impart Words Worth Hearing.

2) Impart Words Of Hope.

13

13

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jesus shared words  
that were filled with hope.**

14

14

---

---

---

---

---

---

---

---

**Blessed *are* the poor in spirit:  
for theirs is the kingdom of heaven.  
(Matthew 5:3)**

15

15

---

---

---

---

---

---

---

---

**But my God shall supply all your need  
according to his riches in glory  
by Christ Jesus.  
(Philippians 4:19)**

16

16

---

---

---

---

---

---

---

---

**Blessed *are* they that mourn:  
for they shall be comforted.  
(Matthew 5:4)**

17

17

---

---

---

---

---

---

---

---

**And God shall wipe away  
all tears from their eyes;  
and there shall be no more death,  
neither sorrow, nor crying,  
neither shall there be any more pain:  
for the former things are passed away.  
(Revelation 21:4)**

18

18

---

---

---

---

---

---

---

---

**Spoken words are powerful,  
speak your words wisely.**

19

19

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) Impart Words Worth Hearing.**
- 2) Impart Words Of Hope.**
- 3) Impart Words Of Truth.**

20

20

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jesus shared words  
that were truthful words.**

21

21

---

---

---

---

---

---

---

---



**The meek will  
inherit the earth.**

22

22

---

---

---

---

---

---

---

---

**Blessed *are* the meek:  
for they shall inherit the earth.  
(Matthew 5:5)**

23

23

---

---

---

---

---

---

---

---

**If you hunger and thirst  
after righteousness  
you will be filled.**

24

24

---

---

---

---

---

---

---

---

**Blessed are they which  
do hunger and thirst  
after righteousness:  
for they shall be filled.  
(Matthew 5:6)**

25

25

---

---

---

---

---

---

---

---

***References:***

**John 14:13-14**

26

26

---

---

---

---

---

---

---

---

**And Jesus said unto them,  
I am the bread of life:  
he that cometh to me  
shall never hunger;  
and he that believeth on me  
shall never thirst.  
(John 6:35)**

27

27

---

---

---

---

---

---

---

---

**The merciful  
will receive mercy.**

28

28

---

---

---

---

---

---

---

---

**Blessed *are* the merciful:  
for they shall obtain mercy.  
(Matthew 5:7)**

29

29

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) Impart Words Worth Hearing.
- 2) Impart Words Of Hope.
- 3) Impart Words Of Truth.
- 4) Impart Words Of Life.

30

30

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jesus shared words  
that brought life.**

31

31

---

---

---

---

---

---

---

---

**The pure in heart  
shall see God.**

32

32

---

---

---

---

---

---

---

---

**Blessed *are* the pure in heart:  
for they shall see God.  
(Matthew 5:8)**

33

33

---

---

---

---

---

---

---

---

**Draw nigh to God,  
and he will draw nigh to you.  
Cleanse *your* hands, ye sinners;  
and purify *your* hearts,  
ye double minded.  
(James 4:8)**

34

34

---

---

---

---

---

---

---

---

**Blessed *are* the peacemakers:  
for they shall be called  
the children of God.  
(Matthew 5:9)**

35

35

---

---

---

---

---

---

---

---

**Spoken words are powerful,  
speak your words wisely.**

36

36

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) Impart Words Worth Hearing.
- 2) Impart Words Of Hope.
- 3) Impart Words Of Truth.
- 4) Impart Words Of Life.
- 5) Impart Words Of Love.

37

37

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jesus shared words  
that ministered love.**

38

38

---

---

---

---

---

---

---

---

***References:***

**Matthew 5:10-12**

39

39

---

---

---

---

---

---

---

---

**If we confess our sins,  
he is faithful and just  
to forgive us *our* sins,  
and to cleanse us  
from all unrighteousness.  
(1 John 1:9)**

40

40

---

---

---

---

---

---

---

---

**Thy kingdom come.  
Thy will be done in earth,  
as *it is* in heaven.  
(Matthew 6:10)**

41

41

---

---

---

---

---

---

---

---

**And forgive us our debts,  
as we forgive our debtors.  
(Matthew 6:12)**

42

42

---

---

---

---

---

---

---

---

**14 For if ye  
forgive men their trespasses,  
your heavenly Father  
will also forgive you:**

**15 But if ye  
forgive not men their trespasses,  
neither will your Father  
forgive your trespasses.  
(Matthew 6:14-15)**

43

43

---

---

---

---

---

---

---

---

**When we forgive someone,  
we show them  
we really love them.**

44

44

---

---

---

---

---

---

---

---

***Key Verse:***

**Bless them  
which persecute you:  
bless, and curse not.  
(Romans 12:14)**

45

45

---

---

---

---

---

---

---

---



**Let men see  
your good works  
so God will be glorified.**

46

46

---

---

---

---

---

---

---

---

***References:***

**Matthew 5:13-16**

47

47

---

---

---

---

---

---

---

---

***Let love be without dissimulation.  
Abhor that which is evil;  
cleave to that which is good.  
(Romans 12:9)***

48

48

---

---

---

---

---

---

---

---

**Love worketh no ill to his neighbour:  
therefore love *is*  
the fulfilling of the law.  
(Romans 13:10)**

49

49

---

---

---

---

---

---

---

---

**Let's give the world  
something to look at,  
the love of God in action.**

50

50

---

---

---

---

---

---

---

---

**Spoken words are powerful,  
speak your words wisely.**

51

51

---

---

---

---

---

---

---

---

**Don't just talk it, walk it  
and when you walk it,  
be sure to talk it.**

52

52

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) Impart Words Worth Hearing.**
- 2) Impart Words Of Hope.**
- 3) Impart Words Of Truth.**
- 4) Impart Words Of Life.**
- 5) Impart Words Of Love.**

53

53

---

---

---

---

---

---

---

---

**Spoken words are powerful,  
speak your words wisely.**

54

54

---

---

---

---

---

---

---

---